

## समाजशास्त्र (प्रश्न-पत्र-I)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

## प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल आठ प्रश्न दिए गए हैं जो हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

## SOCIOLOGY (PAPER-I)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

## QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का संक्षिप्त उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखिए :

Write short answers of the following questions in about 150 words each : 10×5=50

- (a) “समाजशास्त्र मुख्यतः आधुनिक समाजों का अध्ययन है।” विवेचना कीजिए।  
“Sociology is pre-eminently study of modern societies.” Discuss.
- (b) ‘मूल्य-मुक्त समाजशास्त्र’ क्या है? स्पष्ट कीजिए।  
What is ‘value-free sociology’? Clarify.
- (c) सामाजिक अनुसंधान में गुणात्मक विधि के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए।  
Analyze the importance of qualitative method in social research.
- (d) उत्पादन की पद्धति (मोड ऑफ प्रोडक्शन) पर मार्क्स के विचारों का मूल्यांकन कीजिए।  
Evaluate Marx’s ideas on mode of production.
- (e) “ऊर्ध्वाधर गतिशीलता संवृत समाज तंत्र में भी संरचनात्मक परिवर्तन ले आती है।” टिप्पणी कीजिए।  
“Vertical mobility brings structural change even in a closed social system.”  
Comment.

2. (a) डेविस के सामाजिक स्तरीकरण के संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक सिद्धान्त की आधारभूत मान्यताओं को स्पष्ट कीजिए। यह समकालीन भारतीय समाज को समझने में किस सीमा तक प्रासंगिक है?

Elucidate the basic premises of Davis’ structural-functional theory of social stratification. How far is it relevant in understanding contemporary Indian society? 20

(b) टालकॉट पारसंस द्वारा प्रतिपादित सामाजिक व्यवस्था की प्रकार्यात्मक पूर्वापेक्षाओं (प्रीरिक्विजिट्स) का वर्णन कीजिए। एक सामाजिक व्यवस्था के रूप में विश्वविद्यालय के संदर्भ में इसका परीक्षण कीजिए।

Describe the functional prerequisites of social system as given by Talcott Parsons. Examine in the context of a university as a social system. 20

(c) क्या समाजशास्त्र सामान्य बुद्धि है? अपने तर्क के समर्थन में कारण बताइए।

Is sociology common sense? Give reasons in support of your argument. 10

3. (a) मर्टन के सिद्धान्त के प्रकाश में ‘अधिकारियों की पदावधि की सुरक्षा’ के प्रकट और अप्रकट प्रकार्यों का विश्लेषण कीजिए।

Analyze the manifest and latent functions of ‘security of the tenure of bureaucrats’ in the light of Merton’s theory. 20

(b) वैज्ञानिक विधि के आधारिक अभ्युपागमों (पॉस्ट्युलेट्स) का वर्णन कीजिए। समाजशास्त्रीय अनुसंधान में इनका किस सीमा तक अनुसरण किया जाता है?

Describe the basic postulates of scientific method. How far are these followed in sociological research? 20

- (c) “परिकल्पना दो या दो से अधिक चरों (वेरिएबल्स) के मध्य सम्बन्ध का कथन है।” निर्धनता और निरक्षरता का उदाहरण देते हुए इसको सुस्पष्ट कीजिए।  
“Hypothesis is a statement of the relationship between two or more variables.”  
Elucidate by giving example of poverty and illiteracy. 10
4. (a) सामाजिक अनुसंधान में वस्तुनिष्ठता बनाए रखने के लिए मैक्स वेबर की विधि का परीक्षण कीजिए।  
Examine Max Weber’s method of maintaining objectivity in social research. 20
- (b) “तथ्यों को एकत्र करने के लिए सहभागी अभिमत सर्वाधिक प्रभावी उपकरण होता है।” टिप्पणी कीजिए।  
“Participant observation is the most effective tool for collecting facts.”  
Comment. 20
- (c) निर्धनता एवं सामाजिक अपवर्जन के बीच सम्बन्ध की विवेचना कीजिए।  
Discuss the relationship between poverty and social exclusion. 10

### खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का संक्षिप्त उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखिए :  
Write short answers of the following questions in about 150 words each : 10×5=50
- (a) औद्योगिक समाज में कार्य के सामाजिक संगठन के स्वरूप का वर्णन कीजिए।  
Describe the nature of social organization of work in industrial society.
- (b) लोकतंत्र में ‘शक्ति श्रेष्ठजन’ (पावर एलीट) के महत्त्व की विवेचना कीजिए।  
Discuss the importance of ‘power elite’ in democracy.
- (c) क्या धर्म कट्टरवाद को बढ़ावा देने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है? अपने उत्तर के लिए कारण बताइए।  
Is religion playing an important role in increasing fundamentalism? Give reasons for your answer.
- (d) पितृतंत्र (पैट्रीआर्की) किस सीमा तक महिलाओं की समस्याओं का कारण है? विवेचना कीजिए।  
To what extent is patriarchy a cause for the problems of women? Discuss.
- (e) “सामाजिक संघर्ष सामाजिक परिवर्तन का कारण और परिणाम दोनों है।” स्पष्ट कीजिए।  
“Social conflict is both a cause and a consequence of social change.” Explain.
6. (a) “वैश्वीकरण ने श्रम को कार्य के अनौपचारिक संगठन में ढकेल दिया है।” उपयुक्त उदाहरण देकर अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।  
“Globalization has pushed the labour into informal organization of work.”  
Substantiate your answer with suitable examples. 20

- (b) “सामाजिक परिवर्तन विकास के द्वारा लाया जा सकता है।” भारत की समकालीन स्थिति के उदाहरण से इसे समझाइए।  
“Social change can be brought about through development.” Illustrate from the contemporary situation of India. 20
- (c) भारत में दलितों की प्रस्थिति को परिवर्तित करने में विरोध आन्दोलनों की भूमिका का परीक्षण कीजिए।  
Examine the role of protest movements in changing the status of Dalits in India. 10
7. (a) “धार्मिक बहुलवाद आज के समाजों की प्रचलित व्यवस्था है।” उपयुक्त उदाहरण देकर व्याख्या कीजिए।  
“Religious pluralism is the order of present-day societies.” Explain by giving suitable examples. 20
- (b) आधुनिक समाज में सामाजिक परिवर्तन के अनुक्रिया-स्वरूप परिवार में समकालीन प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।  
Discuss the contemporary trends in family as a response to social change in modern society. 20
- (c) क्रान्ति किस सीमा तक समाज की विद्यमान व्यवस्था को प्रतिस्थापित कर देती है? विवेचना कीजिए।  
To what extent revolution replaces the existing order of society? Discuss. 10
8. (a) “समकालीन समाज में शिक्षा सामाजिक गतिशीलता का एक प्रमुख साधन है।” व्याख्या कीजिए।  
“Education is a major source of social mobility in contemporary society.” Explain. 20
- (b) दुर्खीम की धर्म की थियोरी मैक्स वेबर की धर्म की थियोरी से किस प्रकार भिन्न है?  
How is Durkheim’s theory of religion different from Max Weber’s theory of religion? 20
- (c) समाजशास्त्रीय संकल्पनाओं के रूप में परिवार और गृहस्थी (हाउसहोल्ड) के बीच विभेदन कीजिए।  
Distinguish between family and household as sociological concepts. 10

★ ★ ★